15

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
वी-४ कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६

दिनांक २७ मई, २०२० को पूर्वाह्न११.०० बजे आयोजित विद्वत्परिषद् की प्रथम बैठक का कार्यवृत्त।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में दिनांक 30.04.2020 से कार्य प्रारम्भ करने के पश्चात् विद्वत्परिषद् की प्रथम बैठक दिनांक 27 मई, 2020 को पूर्वाह्न11.00बजे कुलपति महोदय की अध्यक्षता में वाचस्पति सभागार में सम्पन्न हुई। कोविड़-19 महामारी के कारण इस बैठक का आयोजन द्विप्रकारक (ऑफ / ऑनलाइन) उपस्थिति के माध्यम से किया गया। बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया।

निम्नलिखित सदस्य व्यक्तिगत रूप में बैठक में उपस्थित हुए:-

1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	अध्यक्ष
2.	प्रो. नागेन्द्र झा	सदस्य
3.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
4.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	सदस्य
5.	प्रो. केदार प्रसाद पराेहा	सदस्य
6.	प्रो. जय कुमार एन. उपाध्ये	सदस्य
7.	प्रो. के. भारत भूषण	सदस्य
8.	प्रो. महेश प्रसाद डिलोड़ी	सदस्य
9.	प्रो. भागीरथि नन्द	सदस्य
10.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य
11.	प्रो. विष्णुपद महापात्र	सदस्य
12.	प्रो. संगीता खन्ना	सदस्या
13.	प्रो. के. अनन्ता	सदस्य
14.	प्रो. मारकण्डेनाथ तिवारी	सदस्य
15.	प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य
16.	प्रो. सुधांशुभूषण पण्डा	सदस्य
17.	प्रो. शुकदेव भोई	सदस्य
18.	प्रो. नीलम ठगेला	सदस्या
19.	प्रो. महानन्द झा	सदस्य

एम.ए. योग पाठ्यक्रम को अधिक प्रभावशाली एवं योग्यता परक बनाने के लिए तथा छात्रों को प्राकृतिक प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु कम से कम एक माह के लिए अन्तिम सत्र में विभिन्न संस्थानों / एन. जी.ओ./ प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्रों आदि में भेजकर अपनी योग्यता सिद्ध कर वहाँ किए गए कार्यों विवरण के आधार पर तैयार प्रोजेक्ट रिपोर्ट को अपने विभाग में प्रस्तुत करना होगा। रिपोर्ट में प्रदत्त विवरण के आधार पर विभाग द्वारा छात्रों को अंक / क्रेडिट प्रदान किए जाएगे। विद्वत्परिषद् द्वारा योग विभाग द्वारा प्रस्तुत उक्त सुझाव पर एक माह की अवधि हेतु स्वीकृति प्रदान की गई।

संकल्प संख्या १.२६ दिनांक २५.०५.२०२० को आयोजित आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक में लिए गए निर्णयों का कार्यवृत्त विद्वत्परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

दिनांक 25.05.2020 को आयोजित आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठकी बैठकद्वारा की गई संस्तुतियों की विद्वत्परिषद् द्वारा पुष्टि की गई तथा लिए गए निर्णयों पर आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न करने हेतु संबंधित विभागों को कार्यवृत्त की प्रति प्रेषित करने का निर्णय लिया गया ।

संकल्प संख्या १.२७ अध्यक्ष महोदय की अनुमति से विचारार्थ प्रस्तुत अन्य विषय।

१.२७ (१) संकाय प्रमुख शिक्षाशास्त्र संकाय द्वारा पाठ्यक्रमों में संशोधन हेतु प्रस्ताव विद्वत्परिषद् के सूचनार्थ प्रस्तुत।

संकाय प्रमुख शिक्षाशास्त्र संकाय द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के अनुसार शिक्षाशास्त्र विभागीय पाठ्यक्रमों के पुनरीक्षण एवं नवीकरण हेतु गठित समिति द्वारा माह फरवरी 2020 से प्रक्रिया प्रारम्भ की जा चुकी है परन्तु कोविड़-19 महामारी के कारण संबंधित कार्य पूर्ण नही हो पाया। इस संबंध में विद्वत्परिषद् द्वारा यह निर्णय लिया गया कि शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा महामारी की स्थिति समान्य होने के उपरान्त संबंधित समिति द्वारा पाठ्यक्रम के संशोधन का कार्य पूर्ण कर कृत कार्यवाही की रिपोर्ट निर्धारित प्रक्रियानुसार कुलपति महोदय की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की जाए।

१.२७ (२) द्वि-उपाधि (ड्यूल डिग्री) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत नियमित पाठ्यक्रम के साथ-साथ दूरस्थ शिक्षा प्रणाली या ऑनलाइन माध्यम से डिग्री पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु विद्वत्परिषद् के विचारार्थ एवं स्वीकृति हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित दिशानिर्देशानुसार विद्यार्थी द्वारा द्वि-उपाधि (ड्यूल डिग्री) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत नियमित पाठ्यक्रम के साथ-साथ दूरस्थ शिक्षा प्रणाली या ऑनलाइन माध्यम से संचालित करने हेतु निर्धारित प्रावधानों को संज्ञान में लेते हुए विद्वत्परिषद् द्वारा तथा संबंधित संकाय के संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों के सुझावों के अनुसार उपर्युक्त प्रणाली के अन्तर्गत ऑनलाइन माध्यम से स्नातक उपाधि एवं परास्नातक उपाधि हेतु क्रमश:निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ करने की स्वीकृति प्रदान की जाती है। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. के. एस. सतीश जी को बनाया जाता है ।

1. शास्त्री (साहित्य)
2. शास्त्री (सर्वदर्शन)
3. शास्त्री (न्याय वैशेषिक)
4. शास्त्री (धर्मशास्त्र)